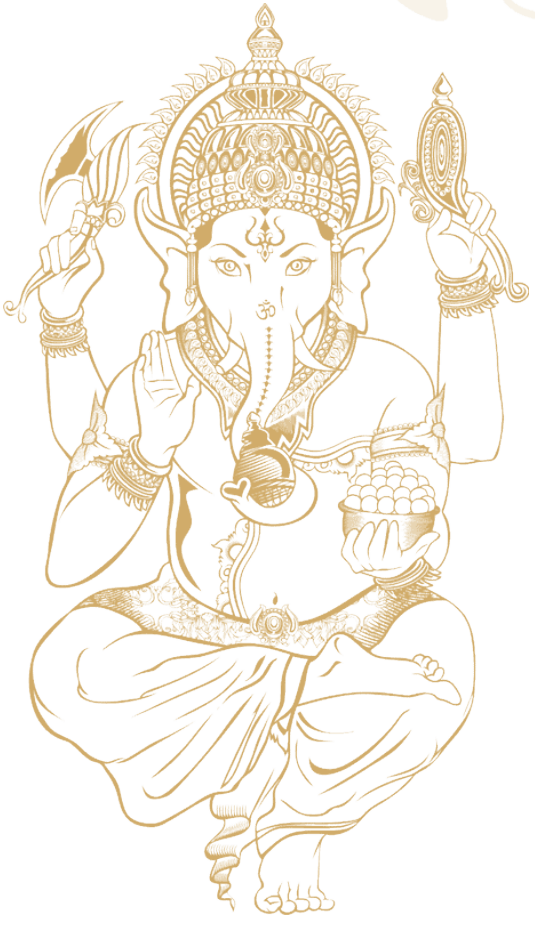

Vikram singh

24 Aug 2001

06:50 AM

Bap

Model: web-freekundliweb

Order No: 121195303

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**24/08/2001**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**06:50:00 घंटे**
इष्ट	01:25:40 घटी
स्थान	**Bap**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	27:22:00 उत्तर
रेखांश	72:23:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:40:28 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	06:09:32 घंटे
वेलान्तर	-00:02:23 घंटे
साम्पातिक काल	04:19:07 घंटे
सूर्योदय	06:15:44 घंटे
सूर्यास्त	19:09:24 घंटे
दिनमान	12:53:40 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	07:05:02 सिंह
लग्न के अंश	13:45:45 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**स्वाति - 3**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	ब्रह्म
करण	तैतिल
गण	देव
योनि	महिष
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मृग
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	रो-रोहित
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	13:45:45	317:36:24	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	---
सूर्य			सिंह	07:05:02	00:57:52	मघा	3	10	सूर्य	केतु	राहु	मूलत्रिकोण
चंद्र			तुला	15:06:43	13:45:33	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	केतु	सम राशि
मंगल			वृश्चि	28:55:44	00:24:05	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	स्वराशि
बुध			सिंह	23:36:05	01:39:37	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	शनि	मित्र राशि
गुरु			मिथु	14:42:02	00:10:44	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	केतु	शत्रु राशि
शुक्र			कर्क	02:25:28	01:11:02	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	राहु	शत्रु राशि
शनि			वृष	20:04:09	00:03:31	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	केतु	मित्र राशि
राहु	व		मिथु	10:48:06	00:02:53	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	शनि	उच्च राशि
केतु	व		धनु	10:48:06	00:02:53	मूल	4	19	गुरु	केतु	शनि	उच्च राशि
हर्ष	व		मक	28:38:55	00:02:22	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	---
नेप	व		मक	12:51:45	00:01:27	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	---
प्लूटो			वृश्चि	18:39:51	00:00:01	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	केतु	---
दशम भाव			वृष	12:45:01	--	रोहिणी	--	4	शुक्र	चंद्र	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:52:32

लग्न-चलित

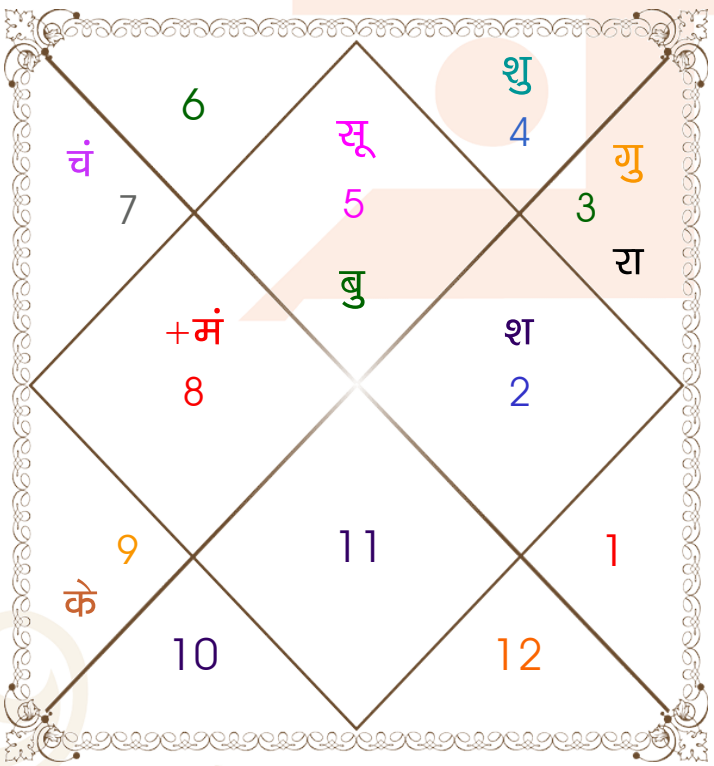

चन्द्र कुंडली

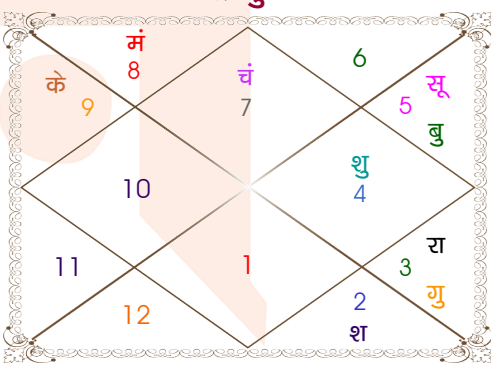

नवमांश कुंडली

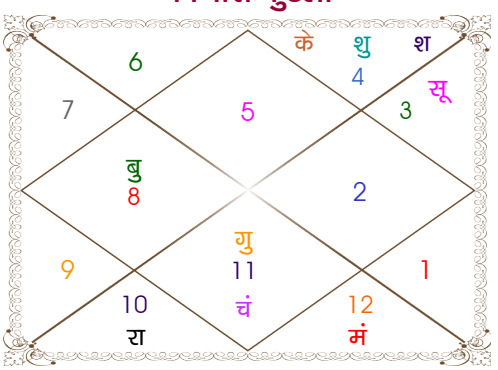

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 6 वर्ष 7 मास 5 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
24/08/2001		30/03/2008		30/03/2024		31/03/2043		30/03/2060	
30/03/2008		30/03/2024		31/03/2043		30/03/2060		31/03/2067	
	00/00/0000	गुरु	18/05/2010	शनि	03/04/2027	बुध	26/08/2045	केतु	26/08/2060
	00/00/0000	शनि	28/11/2012	बुध	11/12/2029	केतु	24/08/2046	शुक्र	26/10/2061
	00/00/0000	बुध	06/03/2015	केतु	20/01/2031	शुक्र	23/06/2049	सूर्य	03/03/2062
	24/08/2001	केतु	10/02/2016	शुक्र	21/03/2034	सूर्य	30/04/2050	चंद्र	02/10/2062
केतु	17/10/2001	शुक्र	11/10/2018	सूर्य	03/03/2035	चंद्र	29/09/2051	मंगल	28/02/2063
शुक्र	17/10/2004	सूर्य	30/07/2019	चंद्र	02/10/2036	मंगल	26/09/2052	राहु	18/03/2064
सूर्य	11/09/2005	चंद्र	28/11/2020	मंगल	10/11/2037	राहु	15/04/2055	गुरु	22/02/2065
चंद्र	12/03/2007	मंगल	04/11/2021	राहु	16/09/2040	गुरु	21/07/2057	शनि	03/04/2066
मंगल	30/03/2008	राहु	30/03/2024	गुरु	31/03/2043	शनि	30/03/2060	बुध	31/03/2067

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
31/03/2067		31/03/2087		30/03/2093		01/04/2103		31/03/2110	
31/03/2087		30/03/2093		01/04/2103		31/03/2110		00/00/0000	
शुक्र	30/07/2070	सूर्य	18/07/2087	चंद्र	29/01/2094	मंगल	28/08/2103	राहु	12/12/2112
सूर्य	30/07/2071	चंद्र	17/01/2088	मंगल	30/08/2094	राहु	14/09/2104	गुरु	07/05/2115
चंद्र	30/03/2073	मंगल	24/05/2088	राहु	29/02/2096	गुरु	21/08/2105	शनि	13/03/2118
मंगल	30/05/2074	राहु	18/04/2089	गुरु	30/06/2097	शनि	30/09/2106	बुध	30/09/2120
राहु	30/05/2077	गुरु	04/02/2090	शनि	29/01/2099	बुध	27/09/2107	केतु	25/08/2121
गुरु	29/01/2080	शनि	17/01/2091	बुध	30/06/2100	केतु	23/02/2108		00/00/0000
शनि	31/03/2083	बुध	23/11/2091	केतु	29/01/2101	शुक्र	25/04/2109		00/00/0000
बुध	29/01/2086	केतु	30/03/2092	शुक्र	30/09/2102	सूर्य	30/08/2109		00/00/0000
केतु	31/03/2087	शुक्र	30/03/2093	सूर्य	01/04/2103	चंद्र	31/03/2110		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 6 वर्ष 8 मा 1 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के प्रथम चरण में सिंह लग्न में हुआ था। सिंह लग्नोदय काल ही सिंह राशि का नवमांश एवं धनु राशि के द्रेष्काण भी मेदिनीय क्षितिज पर उदित था। आपका जन्म प्रभाव यह प्रमाणित कर रहा है कि आपका जीवन सर्वोत्तम प्रकार से व्यतीत होगा। ऐसा तो आपके जीवन का 28 वें वर्ष से आपका समय अच्छे होने लग जाएंगे। आयु के 28 वें वर्ष से 32 वें वर्ष की आयु तक का समय बहुत ही उत्तम एवं अनुकूल होगा।

आपके जीवन का बृहत्तर भाग मखमली अर्थात् ''पांचों उंगुली घी में'' जैसा लाभजनक रहेगा। इस समय आपके जीवन के सभी आवश्यक पक्ष संतोषजनक रहेगा। आपके लिए सौभाग्य प्रदान करने वाला ऐसा समय हस्तगत होगा कि आप मिट्टी छूओ तो सोना बन जाएगा और आप जिस कार्य को हस्तगत कर लोगे उसी में सफल हो जाओगे।

आप इस बात को अच्छी प्रकार जानते है कि लोगों के साथ धन संपत्ति का लेन-देन अर्थात् आदान प्रदान कैसे करेंगे। आपमें यह सामार्थ्य निहित है कि लोगों को अपने पक्ष में लेकर, दूसरों पर किस प्रकार प्रशासन करेंगे। आप किस प्रकार लोगों से सहयोग प्राप्त कर प्रचूर मात्रा में लाभान्वित होंगे तथा आपका कार्य व्यवधान रहित होकर प्रगति करेगा। जब आप किसी को वस्तु उधार दे देते हैं और कोइ समस्या उत्पन्न हो जाती है। आप धैर्यपूर्वक संपर्क स्थापित कर समस्या का समाधान कर उस धन या वस्तु को प्राप्त कर लेते हैं।

आप में एक अन्य प्रकार की भव्य क्षमता विद्यमान है। वह यह है कि आप यह जानते हैं कि आप अपने से उच्च अधिकारी को किस प्रकार प्रभावित करेंगे तथा सर्वोच्च अधिकारी से संपर्क अर्थात् सानिध्यता प्राप्त कर लेते हैं। परिणाम स्वरूप आप लाभप्रद, अधिकारपूर्ण पद प्रतिष्ठा प्राप्त कर लेंगे। यथा कंपनी का प्रबंधक, अथवा किसी भी निगम और परिषद का निर्देशक पद आदि। आप निश्चित समय पर ऐसी युक्ति पूर्ण चाल को अच्छी प्रकार अपने अधिकारी के पास प्रस्तुत कर देंगे। ताकि आप की चाल सफल हो जाती है। आप में एक अच्छे नेता के गुण विद्यमान है।

आप अनेक कलाओं के ज्ञाता एवं सक्षम हैं। आप किसी भी समस्या का समाधान निकाल लेने में तथा किसी भी विरोधात्मक परिस्थिति को पार कर लेने में सक्षम है तथा विरोधियों को परास्त कर सकते हैं। आप अपने किसी भी शत्रुओं के साथ संघर्ष करके विजय श्री प्राप्त करेंगे।

आपके प्रभावशाली उपस्थिति हाव-भाव तथा आकर्षण विपरीत योनि के प्राणी के साथ रहेगा। जिस प्रकार चुंबक अपने आकर्षण शक्ति का प्रभाव लौह पर दिखाता है। उसी प्रकार आपके आकर्षण से स्त्रियाँ वशीभूत हो जाया करेंगी। आपकी इस प्रकार की प्रवृति से आपका समय आनंददायक प्रतीत होता है। परंतु इस प्रकार की प्रवृत्ति तथा कार्य कलाप से आपका पारिवारिक जीवन बाधित हो सकता है। आपके पास प्रिय पत्नी बच्चे एवं आनंददायक भवन का सुख उपलब्ध हो सकता है। अस्तु निरंतर इस पथ पर नहीं चलें। आपके साथ ऐसी समस्या जुडी है कि आप पूर्णरूपेण विश्राम नहीं कर पातें । उत्तम स्वास्थ्य के लिए आपको सतर्क रहना

चाहिए। आप सदैव अनेक प्रकार के कार्यक्रमों में सम्मिलित होने के लिए एक साथ प्रस्थान करते हैं। आपके द्वारा घोर परिश्रम किए जाने से स्नायुविक शक्तियां बुरी तरह पूर्ण रूपेण प्रभावित हो रही हैं। इस प्रकार कुछ समय वर्षों के पश्चात् आपको हृदय से संबंधित समस्याएं, गांठ-गांठ में तथा रीढ़ की हड्डियों में दर्द, रक्तचाप रोगादि से कष्ट समस्याएं उत्पन्न हो सकती है। अस्तु विश्राम भी ग्रहण किया करें।

आपको सदैव अपनी एवं अपने परिवार की प्रतिष्ठा के प्रति सतर्क रहते हैं। चाहे कुछ भी हो जाए आप इस बात के लिए किसी भी परिस्थिति में कोई भी समझौता करने को तैयार नहीं हो सकते हैं।

आपके लिए उपयुक्त कार्यव्यवसायों में राजकीय केंद्रीय सरकार की सेवा के अतिरिक्त ट्रांसपोर्ट व्यवसाय, होटल उद्योग अथवा फोटोग्राफी व्यवसाय आदि अनुकूल है।

आपके लिए नारंगी रंग, लाल एवं हरा रंग अनुकूल है। परंतु नीला, सफेद एवं काला रंग त्यागनीय है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक भाग्यशाली अंक है, परंतु आपके लिए अंक 2, 7 एवं 8 अंक सर्वथा प्रतिकूल है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।